

Baba's Praise

19/2/2015

सर्व आत्माओं के एक पिता
ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा



ज्योतिर्लिंगम् चैतन्य शिव परमात्मा की ही लिंग रूप के रूप से संगमेश्वर में भक्त शिरोमणि बसवण्णा ने, रामेश्वर में राजा श्री राम ने, गोपेश्वर में घनश्याम श्री कृष्ण ने परमात्मा के रूप में तपस्वी देवता शंकर ने उपासना की है। ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा को गुरुनानक ने एक ओंकार, येशु ख्रिस्तने गाँड जेहोवा, मोहम्मद पैगंबर ने अल्ला खुदा, महावीर ने अरिहन्त, बुद्ध ने दिव्य ज्योती कहा है।

• **रूहानी बाप** रूहानी बच्चों को समझा रहे हैं ।
रूहानी बाप आये कहाँ से हैं? रूहानी दुनिया से ।

• यह तो वही **गीता का ज्ञान** है । गीता का पार्ट चल रहा है और बाप पढ़ाते हैं । भगवानुवाच है ना और **भगवान** तो एक ही है । वह है **शान्ति का सागर** ।

• भारतवासी यह भी जानते हैं कि महाभारत लड़ाई भी तब लगी थी जबकि दुनिया बदलनी थी, तब ही बाप ने आकर **राजयोग सिखलाया** था ।

• तुम अभी समझते हो **बेहद के बाप** से तो **बेहद का वर्सा** मिलता है तो उस **बाप की श्रीमत** पर चलना है ।

सर्व आत्माओं के एक पिता
ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा



• एक तो कल्प की आय भूल गये हैं और गीता के भगवान को भी भले हैं। कृष्ण को तो **गाँड फादर** कह नहीं सकते। आत्मा कहती है गाँड फादर, तो वह निराकार हो गया।

• **निराकार बाप** आत्माओं को कहते हैं कि मुझे याद करो। मैं ही **पतित-पावन** हूँ, मुझे बुलाते भी हैं-हे पतित-पावन।

• मैं निराकार हूँ, मनुष्यों का बाप नहीं, **आत्माओं का बाप** हूँ।

• बाप में **सृष्टि चक्र का ज्ञान** है। हम उनके बच्चे हैं तो बच्चों में भी यह नालेज रहनी चाहिए।

सर्व आत्माओं के एक पिता
ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा



ज्योतिर्लिंगम् चैतन्य शिव परमात्मा की ही लिंग रूप के रूप से संगमेश्वर में भक्त शिरोमणि बसवण्णा ने, रामेश्वर में राजा श्री राम ने, गोपेश्वर में घनश्याम श्री कृष्ण ने परमात्मा के रूप में तपस्वी देवता शंकर ने उपासना की है। ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा को गुरूनानक ने एक ओंकार, येशु ख्रिस्तने गाँड जेहोवा, मोहम्मद पैगंबर ने अल्ला खुदा, महावीर ने अरिहन्त, बुद्ध ने दिव्य ज्योती कहा है।

- बाप कहते हैं मैं **पुरानी दुनिया को बदल नई दुनिया बनाने** आया हूँ । अभी फिर तुमको दैवी धर्म श्रेष्ठ और कर्म श्रेष्ठ सिखला रहे हैं ।
- **रचयिता** और रचना का ज्ञान मुक्ति और जीवनमुक्ति तुम्हारी बुद्धि में फिरते रहते हैं, जो-जो महारथी हैं ।
- बापदादा दोनों ही कितना समझाते रहते हैं । बाप **आये ही हैं कल्याण करने** । अपना भी कल्याण करना है तो दूसरों का भी करना है । बाप को बुलाया भी है कि आकर हम पतितों को पावन होने का रास्ता बताओ ।
- **वर्सा** बाप से ही मिलता है इन द्वारा । देने वाला एक है । उनकी ही महिमा है । वही सर्व का **सद्गति दाता** है ।

सर्व आत्माओं के एक पिता ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा



ज्योतिर्लिंगम् चैतन्य शिव परमात्मा की ही लिंग रूप के रूप से संगमेश्वर में भक्त शिरोमणि बसवण्णा ने, रामेश्वर में राजा श्री राम ने, गोपेश्वर में घनश्याम श्री कृष्ण ने परमात्मा के रूप में तपस्वी देवता शंकर ने उपासना की है। ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा को गुरुनानक ने एक ओंकार, येशु ख्रिस्त ने गॉड जेहोवा, मोहम्मद पैगंबर ने अल्ला खुदा, महावीर ने अरिहन्त, बुद्ध ने दिव्य ज्योती कहा है।

- **ज्ञान सागर** तो एक ही बाप है, हम ज्ञान नदियां ज्ञान सागर से निकली हैं । बाकी वह हैं पानी का सागर और नदियाँ ।
- महिमा तो करनी चाहिए एक ही **पतित-पावन** बाप की । और तो कोई है नहीं । ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी पतित-पावन नहीं कहा जाता है । यहाँ तो किसको पावन नहीं बनाते हैं । पतित से पावन बनाने वाला एक ही बाप है ।
- **सबका बाप तो एक ही** है, उनसे ही **वर्सा** मिलता है । उसका नाम है **शिव** । शिवरात्रि भी मनाते हैं ।

सर्व आत्माओं के एक पिता ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा



ज्योतिर्लिंगम् चैतन्य शिव परमात्मा की ही लिंग रूप के रूप से संगमेश्वर में भक्त शिरोमणि बसवण्णा ने, रामेश्वर में राजा श्री राम ने, गोपेश्वर में घनश्याम श्री कृष्ण ने परमात्मा के रूप में तपस्वी देवता शंकर ने उपासना की है। ज्योतिर्लिंगम् शिव परमात्मा को गुरुनानक ने एक ओंकार, येशु ख्रिस्तने गाँड जेहोवा, मोहम्मद पैगंबर ने अल्ला खुदा, महावीर ने अरिहन्त, बुद्ध ने दिव्य ज्योती कहा है।